

Indo-Bangladesh border. Lastly, the Coast Guard and other authorities should also be more alert in the Sunderbans Delta in the interest of our national security. Enhanced surveillance is needed along the maritime border of Bengal to ensure that no illegal activities go unnoticed.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Sukhendu Sekhar Ray: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Ajit Kumar Bhuyan (Assam), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Niranjana Bishi (Odisha), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shri Samik Bhattacharya (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri Sandosh Kumar P (Kerala).

Now, Shri Ravi Chandra Vaddiraju — Request for restoration of train fare concession to accredited journalists.

Need for restoration of train fare concession to accredited journalists

SHRI RAVI CHANDRA VADDIRAJU (Telangana): Hon. Deputy Chairman, Sir, I would like to highlight an important issue affecting journalists due to discontinuation of 50 per cent train fare discount in the Indian Railways. Before the Covid lockdown in March, 2020, the accredited journalists could use this discount, but it was stopped during the pandemic. Even after three years and many requests, it has not been restored. Many journalists come either from low income or middle class families and need to do affordable travel to do reporting. Several journalists' unions from across the country have pointed out that they are suffering financial impact due to discontinuation of the discount. For example, a ticket that used to cost Rs. 50 after the discount now costs them Rs. 100.

Reports also show that the Railways earned an extra amount of Rs. 242 crores in 2022-23 after cutting similar discounts, which shows that it can afford to bring back the benefit which was being given to the journalists. The issue continues because the policy has not been revived even though things have returned to normal after the pandemic experts and law makers agreed that the discount should be restored.

As journalists, who play a key role in making the citizens informed, face financial challenges, I sincerely ask the Ministry of Railways to address this issue and bring back the 50 per cent concession. I am sure that this will greatly help the journalists who work hard to support democracy as its Fourth Pillar.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ravi Chandra Vaddiraju: Shri Haris Beeran (Kerala), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala) and Shri Tiruchi Siva (Tamil Nadu).

Now, Dr. Sikander Kumar — Demand to establish a dedicated cancer hospital in the State of Himachal Pradesh.

Demand to establish a dedicated Cancer Hospital in the State of Himachal Pradesh

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मोदी सरकार के 2014 से 2019 और 2019 से 2024 के कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं और वर्तमान कार्यकाल में भी मोदी सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार सुधार और लोगों को बेहतर एवं सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जहां 2014 से पहले देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी, अब 112 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 780 पहुंच गई है। मुझे यह बताते हुए हर्ष होता है कि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्री रहे और वर्तमान में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री आदरणीय श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश को चार मेडिकल कॉलेज — चम्बा, नाहन, मंडी और हमीरपुर तथा एक एम्स, बिलासपुर की सौगात मिली है। चारों मेडिकल कॉलेज अभी निर्माणाधीन हैं, जबकि एम्स, बिलासपुर में बहुत से विभाग शुरू हो चुके हैं, जो कि हिमाचल वासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

महोदय, केंद्र सरकार ने देशवासियों के स्वास्थ्य का चिंतन करते हुए अनेक कल्याणकारी योजनाएं भी शुरू की हैं। महोदय, हम जानते हैं कि कैंसर एक ऐसा मर्ज है, जो तेज गति से मानवजाति को अपनी चपेट में ले रहा है और दिनों-दिन इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पहले यह मर्ज चुनिंदा लोगों में ही देखने को मिलता था, परंतु आज इस बीमारी के मरीजों का ग्राफ तेज गति से बढ़ रहा है, जो कि बेहद चिंता का विषय है। पहले यह मर्ज बुजुर्गों में अधिकतर देखने को मिलता था, परंतु वर्तमान समय में महिला, पुरुष, बच्चा, बूढ़ा, जवान सभी इस गंभीर बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। विडम्बना यह है कि इस बीमारी का पता भी अक्सर तब चलता है जब इसका इलाज कर पाना लगभग असंभव हो जाता है। कहा जाता है कि लगभग 5 में से 1 व्यक्ति को अपने जीवन काल में कैंसर होता है और लगभग 9 में से 1 पुरुष और 12 में से 1 महिला की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। वर्तमान समय में हमारे देश में लाखों लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और अधिकतर लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है।

उपसभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश में भी कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है और हिमाचल में इस बीमारी के इलाज के लिए कोई उपयुक्त अस्पताल भी नहीं है, हालांकि माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री आदरणीय श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने 7 मार्च, 2025 को एम्स में पेट स्कैन मशीन का शुभारम्भ किया है, जिससे कैंसर रोग को आसानी से डिटेक्ट किया जा सकेगा। यह हिमाचल का पहला अस्पताल है, जहां पेट स्कैन की सुविधा जनता को समर्पित की